

PAPER-III
COMPARATIVE STUDY OF RELIGIONS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

J 6 2 1 1

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि वे पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

COMPARATIVE STUDY OF RELIGIONS

धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Write a brief essay on the doctrines of Vasnavism.

वैष्णववाद के सिद्धान्त पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिए ।

OR / अथवा

Discuss the relevance of Lord Mahāvīr's message in the modern times.

आधुनिक युग में भगवान् महावीर के संदेश की प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Throw light on gradual development of AbhidhammapitaKa according to Theravāda Buddhism.

थेरवाद बौद्धधर्म के अनुसार अभिधम्मपिटक के क्रमिक विकास पर प्रकाश डालिए ।

OR / अथवा

Write an essay on the origin and growth of St. Thomas Christians of India.

भारतीय सेन्ट थामस ईसाईयों के उद्भव और विकास पर एक निबन्ध लिखिए ।

OR / अथवा

Write an essay on the development of Islamic Civilization under the Abbosids.

अब्बासी काल में इस्लामी सभ्यता के विकास पर एक निबन्ध लिखिए ।

OR / अथवा

Write a detailed note on Japuji

जपुजी साहिब पर एक विस्तृत लेख लिखें ।

2. Highlight the teachings of Rāmāyana.

रामायण की शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए ।

OR / अथवा

Write an essay on the Code of Conduct of Jain-House holder's life in detail.

जैन-गृहस्थजीवन की आचार संहिता पर विस्तार से एक निबन्ध लिखिए ।

OR / अथवा

Describe the theory of Pratitya samutpāda as taught by Lord Buddha and also discuss its relevance in the modern times.

भगवान् बुद्ध द्वारा उपदिष्ट प्रतीत्यसमुत्पाद सिद्धान्त का प्रतिपादन कीजिए और उसकी आज के सन्दर्भ में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।

OR / अथवा

Write an essay on the Eco-theology and the Bible.

ईको-थियोलोजी और बाइबल पर एक निबन्ध लिखिए ।

OR / अथवा

Assess the Contribution of Shah Wali Ullah as a religious reformer

धार्मिक सुधारक के रूप में शाह वलीउल्लाह के योगदान का मूल्यांकन कीजिए ।

OR / अथवा

What was the role of Singh Sabha movement in the reformation of Sithism ? Explain.

गुरुमत के सुधार में सिंघ सभा लहिर की क्या भूमिका रही ? व्याख्या करें ।

5. Write briefly religious reform movements of Brāhmosamāj.
ब्रह्म समाज में धार्मिक सुधार आन्दोलनों का संक्षेप में विवरण दीजिए ।

OR / अथवा
Elective – II
ऐच्छिक – II
Jainism
जैनधर्म

3. Discuss in brief the life of Tirthaṅkar Pāśvanath and his Teachings.
तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए ।
4. Give an account of the works of Ācārya Hema Chandra Sūri.
आचार्य हेमचन्द्र सूरि की रचनाओं का विवरण दीजिए ।
5. Throw light on the origin of different sects of Jainism.
जैनधर्म के विविध सम्प्रदायों के उद्भव पर प्रकाश डालिए ।

OR / अथवा
Elective – III
ऐच्छिक – III
Buddhism
बौद्धधर्म

3. Describe the Significance of the Middle-path according to Buddhism.
बौद्धधर्म के अनुसार मध्यममार्ग की महत्ता का विवेचन कीजिए ।
4. Discuss the role of King Asoka in propagation of Buddhism.
बौद्धधर्म के प्रचार-प्रसार में राजा अशोक की भूमिका का विवेचन कीजिए ।
5. Highlight the status of women during the period of Lord Buddha.
भगवान् बुद्ध-कालीन नारी स्थिति पर प्रकाश डालिए ।

OR / अथवा
Elective – IV
ऐच्छिक – IV
Christianity
ईसाई धर्म

3. Explain the importance of St. Paul in Christianity.
ईसाई मत में सेंट पाल के महत्त्व की व्याख्या कीजिए ।
4. Explain the importance of the Resurrection of Jesus Christ in Christian faith.
ईसाई मत में ईसा के पुनरुत्थान के महत्त्व की व्याख्या कीजिए ।
5. Explain the Christian message of Jesus washing the feet of his disciples.
ईसा मसीह द्वारा अपने शिष्यों के चरण धोने में निहित ईसाई संदेश को स्पष्ट कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – V

ऐच्छिक – V

Islam

इस्लाम धर्म

3. Describe the fundamental principles of Islam.
इस्लाम के मूल सिद्धांतों का वर्णन कीजिए ।
4. Discuss the main achievements of Caliph Umar Bin al-Khattab.
खलीफा उमर बिन अल-खत्ताब की उत्कृष्ट उपलब्धियों का विवेचन कीजिए ।
5. Write of note on the Meccan life of the Prophet Muhammad.
पैगम्बर मुहम्मद की मक्की जीवन पर नोट लिखिए ।

OR / अथवा

Elective – VI

ऐच्छिक – VI

Sikhism

सिक्ख धर्म

3. Write a note on five Khands of Japuji.
जपुजी के पाँच खंडों पर लेख लिखें ।
4. Explain editorial scheme of Guru Granth Sahib.
गुरु ग्रंथ साहिब के संवाहन प्रबंध पर लेख लिखें ।
5. What were the causes and effects of the martyrdom of Guru Teg Bahadur ?
गुरु तेग बहादर की शहादत के कारण और प्रभाव बताएँ ।

SECTION – III

खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Describe the theory of Nişkāma Karma according to Bhagvadgītā.
भगवद्गीता के अनुसार निष्कामकर्म सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ।

7. Write a note on the Aṇuvratas as accepted by Jains.
जैनों के द्वारा मान्य अणुव्रतों पर एक टिप्पणी लिखिए ।

8. Write a note on the Gāndhāra Art.
गान्धार कला पर एक टिप्पणी लिखिए ।

14. Give an account of the concept of god in Indian religious traditions.
भारतीय धार्मिक परम्पराओं में ईश्वर की अवधारणा का विवरण दीजिए ।

SECTION – IV

खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है ।

(5 × 5 = 25 अंक)

Atheism is a stance that rejects the existence of god. Among the atheists are included some of the philosophers, social scientists any psychologists, such as Albert Camus, Karl Marn, Friedrich Nietzsche and Sigmund Freud. The reasons for the denial of god vary. According to some, there is so much evil, unmerited suffering and injustice in this world that one cannot believe in a good and loving god. Many of the atheists argue that god is the projection of the human mind created by religions and powerful groups by which they subdue the powerless and the poor. For psychologists like Freud, the god, who controls and provides everything, is created by the human psyche in response to its need for love, safety and security. The Agnostics simply say that they do not Know whether god exists or not. After all, for them the question of god's existence is not an important one. With or without god, the world will go on as it is. It must be noted here that some of the religious traditions are non-theistic, e.g. Charvakas of Hinduism and theravada Buddhism.

Theism is conceived differently by different religions and philosophical systems. Along with Christianity, Judaism and Islam speak about a personal god who is the origin and destiny of the universe and of the humankind. Some other religions and philosophical systems conceive an impersonal god, an Absolute Power, a Supreme Mind or Will or Spirit, a Pure Act (Actus purus), the Divine, the Saired, a Higher Power, Whatever be the differences, god is conceived in Theism as the Ultimate Reality.

नास्तिकतावाद एक ऐसा दृष्टिकोण है जो ईश्वर के अस्तित्व को स्वीकार नहीं करता । नास्तिकवादियों में ए बयरकामू, कार्लमाक्स, फ्रेडरिक नित्शे और सिग्मण्ड फ्रायड सरीखे कुछ दार्शनिक समाजशास्त्री और मनोविज्ञानी सम्मिलित हैं । ईश्वर को स्वीकार करने के भिन्न-भिन्न कारण हैं । कुछ एक लोगों का अभिमत है कि इस संसार में इतनी अधिक बुराईयाँ अनुपयुक्त संकट और अन्याय व्याप्त हैं जिससे कोई एक अच्छे और प्रेममय ईश्वर में विश्वास नहीं कर सकता । कुछ नास्तिक यह युक्ति देते हैं कि ईश्वर धर्मों एवं सशक्त समूहों के मानव-मस्तिष्क की रचना है जो निर्बल और निर्धन को दबाने के लिए की गयी है । फ्रायड जैसे मनोविज्ञानी के अनुसार ईश्वर जो सभी को नियन्त्रित करता है और सभी पदार्थों का दाता है, की रचना मानवमन ने प्रेम और सुरक्षा की आवश्यकता

की अपेक्षा में की है । अज्ञेयवादी स्पष्ट कहते हैं कि उन्हें यह ज्ञात नहीं है कि ईश्वर का अस्तित्व है अथवा नहीं अन्ततः उनके लिए ईश्वर का अस्तित्व कोई महत्त्वपूर्ण नहीं है ।

ईश्वर हो अथवा न हो, संसार अपनी गति से यथावत चलता रहेगा । यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि कुछ एक धार्मिक परम्पराएँ भी यथा हिन्दुओं का चार्वाक और बौद्धधर्म का थेरवाद अनीश्वरवादी है । अनीश्वरवादी के प्रति विभिन्न धर्मों और दार्शनिकतन्त्रों की अलग-अलग अवधारणा है । ईसाई, यहूदी और इस्लाम एक वैयक्तिक ईश्वर की बात करते हैं जो इस विश्व और मानवमात्र का मूल एवं लक्ष्य है । कुछ अन्य धर्म और दार्शनिक ईश्वर को अवैयक्तिक मानते हैं और जो सर्वोच्च सत्ता, सर्वोच्च ज्ञान अथवा पावनकर्म, दैवी शक्ति, उच्च शक्ति है । विभिन्नताएँ कुछ भी हों, आस्तिकवाद में ईश्वर की परिकल्पना अन्तिम यथार्थ के रूप में की गयी है ।

15. Define atheism

नास्तिक वाद की परिभाषा दीजिए ।

16. Discuss the arguments propounded by atheistic thinkers in support of their thought.

नास्तिक वादी विचारकों द्वारा अपने विचार के पक्ष में प्रतिपादित युक्तियों की चर्चा कीजिए ।

17. How are agnostics different from atheists state ?
अनीश्वरवादी किस प्रकार नास्तिकता वादियों से भिन्न हैं ।

18. Explain the meaning of theism.
आस्तिकवाद के अर्थ की व्याख्या कीजिए ।

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation)

Date